गलत बात है, मैं कह रहा हूं कि मुझे समय दिया है ... (व्यवधान) ...

श्री उपसभापति: तब आप बोलिए ना।

श्री संतोष बागड़ोदिया: फिर आप बोलने दीजिए ना, आप तो मुझे बोलने ही नहीं देते हैं।

श्री उपसभापति: आप स्टार्ट कीजिए।

Alleged incident of sati in Fatehpur in Rajasthan

श्री संतोष बागड़ोदिया: आज ही सुबह मैंने अपने इलैक्ट्रॉनिक मीडिया में देखा और मुझे बहुत दु:ख भी हुआ। मुझे यह कहते हुए बड़ी दिक्कत हो रही है कि अगर इस व्यवस्था को हमारे देश में और खासतौर से राजस्थान में बढ़ाया गया है तो देश कहां जाने वाला है? यह कल की न्यूज़ है, लेकिन मुझे आज ही मिली है कि फतेहपुर डिस्ट्रिक्ट में किसी पुरुष की मृत्यु हो गई थी और उसके परिवार वालों एवं उसके गांव वालों ने मिल कर ज़बरदस्ती उसकी स्त्री को उसी चिता पर जला दिया और अब उसे सती का रूप देने की चेष्टा की जा रही है। इस तरह की चीजें राजस्थान में पहले भी हो रही थीं और अब भी हो रही हैं, लेकिन राजस्थान की सरकार चुप बैठी हुई है। वहां के बारे में जो दिखाया गया, पुलिस वालों ने यह बात कही कि ऐसा कुछ भी नहीं है, उससे कोई जबरदस्ती नहीं हुई, हालांकि अभी इंक्वायरी भी नहीं हुई और न ही इसकी चर्चा हुई, लेकिन फिर भी यह कांड हुआ है। ये सभी बातें न्यूज़ में आई हैं।

मैं चाहता हूं कि हमारी जो सरकार है, वह इस बारे में पता लगवाए, इंक्वायरी करवाए और जो भी लोग दोषी पाए जाएं, उनके साथ कड़ा से कड़ा कार्यवाही की जाए।

यह सब मैं इसलिए कहना चाहता हूं, क्योंकि हमारी बहनों एवं हमारे घर की बहू बेटियों के साथ यदि इस तरह का अत्याचार होना शुरू हो जाएगा, तो यह देश कहां जाएगा? राजस्थान में खासतौर से पहले भी ये बातें हुई हैं। हालांकि इसके लिए हमारे पास सती ऐक्ट भी है, इसके अंतर्गत भी इस पर कार्यवाही हो सकती है, साथ ही क्रिमिनल ऐक्ट भी है। हमारी राजस्थान की सरकार इस बारे में चुप क्यों बैठी हुई है? शायद वह यह भी कह सकते हैं कि यह लोकल मैटर है, लेकिन मैं कहना चाहता हूं कि यह लोकल मैटर नहीं है, यह पूरे देश का सवाल है। यह हमारे देश की महिलाओं का सवाल है और इस चीज़ की आवश्यकता है कि हम इस सवाल को छोटे रूप में न लें। अगर इस तरह की घटना हिन्दुस्तान में कहीं पर भी होती है तो यह जिम्मेवारी हिन्दुस्तान की सरकार की भी है। मैं चाहूंगा कि होम मिनिस्ट्री इस पर ऐक्शन ले और हाउस को इसके बारे में बताए।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You have taken less then seven minutes. ...*(Interruptions)* नहीं, नहीं ऐसोसिएट कीजिए ...(व्यवधान) बोलने की जरूरत नहीं है, आप केवल ऐसोसिएट कीजिए ...(व्यवधान) विषय केवल एक ही है, इसलिए ऐसोसिएट कीजिए

...(व्यवधान)... All Members will associate ...*(Interruptions)* इनका नाम लिख लीजिए ....(व्यवधान)

SHRIMATI PREMA CARIAPPA (Karnataka): Sir, I associate myself with it.

श्रीमती विप्लव ठाकुर (हिमाचल प्रदेश): महोदय, मैं स्वयं को इससे संबद्ध करती हूं।

प्रो॰ अलका क्षत्रिय (गुजरात): महोदय, मैं भी स्वयं को इससे संबद्ध करती हूं।

डा॰ प्रभा ठाकुर (राजस्थान): महोदय, मैं स्वयं को इससे संबद्ध करती हूं।

प्रो॰ राम देव भंडारी (बिहार): महोदय, मैं भी स्वयं को इससे संबद्ध करता हूं।

श्रीमती वृंदा कारत (पश्चिमी बंगाल): महोदय, मैं स्वयं को इससे संबद्ध करती हूं।

श्री विजय जे॰ दर्डा (महाराष्ट्र): महोदय, मैं भी स्वयं को इससे संबद्ध करता हूं।

MS. SUSHILA TIRIYA (Orissa): Sir, I also associate myself with it.

श्री उपसभापति: नहीं, नहीं, आप ऐसोसिएट कीजिए ...(व्यवधान) देखिए विषय एक ही है, भंडारी जी आप बैठिए ...(व्यवधान) श्री जे॰ पी अग्रवाल जी, आप बोलिए ...(व्यवधान) आप सब ऐसोसिएट कीजिए, उन्होंने जो कहना था, वह कह दिया है ...(व्यवधान) यह एक इन्सिडेंट है, आप इसकी कंट्रोवर्सीज़ में मत जाइए ...(व्यवधान) It is an incident. Why do you involve yourselves in controversy? ...*(Interruptions)* प्लीज, प्लीज, आप बैठ जाइए, ...(व्यवधान)... भंडारी जी आप बैठे जाइए...(व्यवधान)... मैं नहीं चाहता कि इसे कंट्रोवर्सी बनाया जाए, some facts have been brought, and it is sufficient ...*(Interruptions)*

श्री उपसभापति: आप अपनी सीट से नहीं बोल रहे हैं आप भी अपनी सीट से नहीं बोल रहे हैं, रिकार्ड पर नहीं जाएगा। श्री जय प्रकाश अग्रवाल, ...(व्यवधान) नहीं-नहीं, बिल्कुल नहीं, इसमें मैं पहले ही रूलिंग दे चुका हूं कि जिन्होंने नोटिस नहीं दिया है उनको एलाउ नहीं करूंगा। ...(व्यवधान) श्री जय प्रकाश अग्रवाल जी, आप बोलिए। ...(व्यवधान)

श्री रामदास अग्रवाल (राजस्थान): सर, हमें इसका बचाव करना है। ...(व्यवधान)

श्री उपसभापति: देखिए, इसमें बचाव पक्ष नहीं है। ...(व्यवधान) अग्रवाल जी, बैठिए। श्री जय प्रकाश अग्रवाल। (व्यवधान)... Nothing will go on record ...(व्यवधान) देखिए, श्री जय प्रकाश अग्रवाल जी, एक बहुत महत्वपूर्ण विषय उठाना चाहते हैं। ... (व्यवधान)... पाणि जी, आप बैठिए। देखिए, आपका जीरो ऑवर खत्म हो जाएगा। ... (व्यवधान) ... आप एसोसिएट कीजिए, इससे ज्यादा नहीं। ... (व्यवधान) ...आप बैठिए।...(व्यवधान)